

प्रेषक,

आलोक कुमार जैन,  
प्रमुख सचिव, वित्त,  
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

अपर मुख्य सचिव/  
समस्त प्रमुख सचिव/सचिव,  
उत्तराखण्ड शासन।

वित्त अनु० -1

देहरादून, दिनांक : 04 दिसम्बर, 2007

विषय:- वित्तीय वर्ष 2007-08 के लिये प्रथम अनुपूरक अनुदानों की स्वीकृति।

महोदय,

उपर्युक्त के सम्बन्ध में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि वित्तीय वर्ष 2007-08 के आय-व्ययक की स्वीकृतियाँ शासनादेश संख्या- 599/XXVII(1)/2007, दिनांक 12 जुलाई, 2007 द्वारा निर्गत की गयी थी। इसी क्रम में प्रथम अनुपूरक मांग एवं तत्सम्बन्धी विनियोग अधिनियम- 2007 पारित होने के फलस्वरूप प्रथम अनुपूरक मांग की धनराशियाँ प्रशासनिक विभागों के निर्वर्तन पर इस आशय से रखी जा रही हैं कि सम्बन्धित स्तरों पर उपरोक्त शासनादेश में निहित प्रक्रियाओं एवं शर्तों का कड़ाई से अनुपालन करते हुए व्यय किया जाय।

वित्तीय वर्ष 2007-08 की जिला योजना की धनराशि जिला योजना के अन्तर्गत नियोजन विभाग द्वारा आवंटित आयोजनागत परिव्यय की सीमा तक चालू वित्तीय वर्ष 2007-08 के आय-व्ययक की अवशेष धनराशि एवं प्रथम अनुपूरक अनुदान द्वारा जिला योजना हेतु प्राविधानित धनराशि प्रशासकीय विभागों के निर्वर्तन पर व्यय हेतु रखी जा रही हैं। जिला योजना के सम्बन्ध में नियोजन विभाग के शासनादेश संख्या-405/रा०यो०आ०/जि०यो०/2007-08 दिनांक 13 नवम्बर, 2007 के निर्देशों का अनुपालन समस्त प्रशासकीय विभागों द्वारा सुनिश्चित किया जायेगा।

भवदीय,


(आलोक कुमार जैन)  
प्रमुख सचिव, वित्त

संख्या 1044 (1)/XXVII(1)/2007 एवं तददिनांक

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

1. महालेखाकार उत्तराखण्ड, ओबराय मोटर्स बिल्डिंग, सहारनपुर रोड, माजरा, देहरादून।
2. समस्त विभागाध्यक्ष, उत्तराखण्ड।
3. समस्त कोषागार अधिकारी, उत्तराखण्ड।
4. शासन के समस्त अनुभाग।
5. एन0 आई0 सी0, सचिवालय, देहरादून।
6. उपनिदेशक शासकीय मुद्रणालय रुड़की को इस आशय के साथ प्रेषित कि इस आदेश की 500 प्रतियाँ मुद्रित कराकर वित्त विभाग को उपलब्ध कराने का कष्ट करें।

आज्ञा से,

  
(एल0 एम0 पन्त)  
अपर सचिव, वित्त

4/12/2007